फिन व्हेल

[स्रोत: द हिंदू](#)

हाल ही में **जापान** ने अपने वाणिज्यिक व्हेलिंग का विस्तार करते हुए इसमें **फिन व्हेल (Fin Whale)** को भी शामिल कर लिया है, जो पृथ्वी पर सबसे बड़ी पशु प्रजातियों में से एक है।

- जापान ने अंतरराष्ट्रीय व्हेलिंग आयोग **(International Whaling Commission- IWC)** से भी खुद को अलग कर लिया और जुलाई 2019 में वाणिज्यिक व्हेल (Commercial Whale) शिकार फिर से शुरू कर दिया।

फिन व्हेल:

- **वैज्ञानिक नाम: बालेनोप्टेरा फिसालस (Balaenoptera Physalus)।**
- IUCN रेड लिस्ट स्थिति: लुप्तप्राय (2018-2021 आकलन)।
- **संभावित खतरे: वाणिज्यिक व्हेलिंग,** बड़े वाणिज्यिक जहाज़, शिपिंग शोर और गड़बड़ी, भूकंपीय गतिविधियाँ, प्रदूषण (**स्थायी कार्बनिक प्रदूषक**) तथा जलवायु में परिवर्तन एवं महासागरीय अम्लीकरण।
    - जापान, उन तीन देशों में से एक है जो वाणिज्यिक रूप से **(नॉर्वे और आइसलैंड के साथ)** व्हेल का शिकार करते हैं।

व्हेल संरक्षण प्रयास:

- **दक्षिणी महासागर व्हेल अभयारण्य,** अंटार्कटिका महाद्वीप के चारों ओर फैला 50 मिलियन वर्ग किमी. का क्षेत्र है, जहाँ IWC ने सभी प्रकार के वाणिज्यिक व्हेलिंग पर प्रतिबंध लगा दिया है।
- **दक्षिणी महासागर व्हेल अभयारण्य में सभी प्रकार के व्हेल शिकार पर प्रतिबंध के बावजूद,** जापान का व्हेल अनुसंधान कार्यक्रम अभयारण्य में मिंक व्हेल का शिकार करना जारी रखे हुए है।

और पढ़ें: जापान ने फिर से शुरू किया व्हेल का वाणिज्यिक शिकार

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/fin-whale